पूर्णिमा हीलिंग (FULL MOON HEALING)

आज रात, मैं इस अवसर के लिए खुश और आभारी हूँ कि मैं अपने जीवन की इस वर्तमान स्थिति को पहचान सकूँ और स्वीकार कर सकूँ।

आज रात, मैं यह समझने और स्वीकार करने के लिए तैयार हूँ कि यह विशेष परिस्थिति मुझे अपने ही विचारों, पैटर्न और कहानियों में अटका कर रखे हुए है।

आज रात, मैं यह भी स्वीकार करने के लिए तैयार हूँ कि कहीं न कहीं, किसी तरह और किसी कर्मिक कारण से, मैं भी इस परिस्थिति का सह-निर्माता/सह-निर्मात्री रहा/रही हूँ।

और अब, मैं इस परिस्थिति की कंपनात्मक (वाइब्रेशनल) ऊर्जा को समाप्त करने के लिए तैयार हूँ, इसे पूर्णिमा को समर्पित करके, ताकि चंद्रमा की उपचारात्मक ऊर्जा इसे धोए, शुद्ध करे, पवित्र बनाए और इसे प्रेम और प्रकाश की शुद्ध अवस्था में पुनः परिवर्तित कर दे।

जैसे-जैसे अगले पखवाड़े में पूर्णिमा हर रात कम होती जाएगी, वैसे-वैसे इस स्थिति की ऊर्जा भी कमजोर पड़ेगी, टूटेगी, समाप्त होगी और अंततः अंतरिक्ष की उस शून्यता में विलीन हो जाएगी जहाँ केवल चेतना ही विद्यमान है—जो मुझे वही प्रतिबिंबित करती है जो मैं इस पूर्णिमा को अर्पित करता/करती हूँ।

मैं अब इस स्थिति को पूर्णिमा को अपने हृदय की कृतज्ञता, सच्ची सराहना, सकारात्मक विचारों और प्राण ऊर्जा के सशक्त प्रवाह के साथ समर्पित करता/करती हूँ।

मैं अपने आप को और इस स्थिति से जुड़े अन्य व्यक्ति/परिस्थिति को दया, करुणा, क्षमा और समझ भी अर्पित करता/करती हूँ, ताकि सभी को आगे बढ़ने और इस कर्मिक जीवन-पाठ को एक सम्मानजनक, परिपक्व, शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण निष्कर्ष तक पहुँचाने की बुद्धि प्राप्त हो।

और हम सभी को शीघ्र ही प्रेम और प्रकाश की शुद्ध चेतना का अनुभव करने का मार्ग मिले।

मैं अब इस स्थिति को ब्रह्मांड की पवित्र अग्नि तत्व को शुद्धिकरण के लिए समर्पित करता/करती हूँ।

पूर्णिमा का धन्यवाद।
मेरे संरक्षक देवदूतों का धन्यवाद।
सार्वभौमिक ऊर्जाओं का धन्यवाद।

एक बार फिर, मैं अत्यंत आभारी हूँ कि मुझे अपने हृदय और जागरूकता के साथ पूर्णिमा के साथ कार्य करने का यह अवसर मिला!

मैं अब इस स्थिति को इस पृथ्वी के खारे समुद्री जल तत्व को शुद्धिकरण के लिए समर्पित करता/करती हूँ।